न्यूज डायरी

डब्ल्यूएचो ने फिर हाइड्रॉक्सिक्लोरोक्वीन ट्रायल बंद किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जेनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक बार फिर कोरोना वायरस के इलाज के लिए मलेरिया की दवा हाइड्रॉक्सिक्लोरोक्वीन के सॉलिडैरिटी ट्रायल को बंद कर दिया है। ट्रायल के कार्यकारी समूह और मुख्य जांचकर्ताओं ने यह फैसला सॉलिडैरिटी ट्रायल, ब्रिटेन के रिकवरी ट्रायल और दूसरे सबूतों को देखते हुए किया। इससे पहले सांइस जनर्ल द लैंसेट में छपी एक स्टडी के बाद एचसीक्यू के ट्रायल पर रोक लगा दी गई थी लेकिन बाद में रोक हटा भी दी गई और वह स्टडी भी वापस ले ली गई थी।
एचसीक्यू का कहना है कि सॉलिडैरिटी ट्रायल और ब्रिटेन के रिकवरी ट्रायल के नतीजों में एचसीक्यू से कोविड–19 के मरीजों में मृत्युदर कम होता नहीं पाया गया। इसलिए अब सॉलिडैरिटी ट्रायल के तहत और लोगों पर एचसीक्यू को टेस्ट नहीं किया जाएगा। जिन लोगों पर पहले से एचसीक्यू का कोर्स पूरा कर सकते हैं या फिजिशन की सलाह पर खत्म भी कर सकते हैं।

सुशांत सिंह राजपूत के निधन पर भावुक हुआ इजरायल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेल अबीव। इजरायल ने युवा बॉलीवुड स्टार सुशांत सिंह राजपूत को सच्चा दोस्त बताते हुए उनके निधन पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है। बता दें कि अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत रविवार को मुंबई के बांद्रा स्थित अपने अपार्टमेंट में मृत पाए गए थे। जिसके बाद बॉलीवुड के कई सितारों समेत पीएम मोदी, राजनाथ सिंह सहित राजनीतिक जगत की कई हस्तियों ने भी शोक जाहिर किया था। इजरायल के विदेश मंत्रालय के उप महानिदेशक गिलाद कोहेन ने ट्विटर पर अभिनेता के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया। कोहेन ने सुशांत की पिछली फिल्म ड्राइव के एक गाने मखना... का लिंक साझा करते हुए लिखा कि इजरायल के एक सच्चे दोस्त सुशांत सिंह राजपूत के निधन पर मेरी गहरी संवेदनाएं। आप याद आओगे! बता दें कि इजरायल बॉलीवुड को शूटिंग के लिए आकर्षित करता रहता है। इसी के तहत सुशांत और उनकी को एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज ने इजरायल में गाने की शूटिंग की थी।

चीन ने इस डर से नहीं जारी किया गलवान घाटी में मारे गए सैनिकों की मौत का आंकड़ा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। लद्दाख की गलवान घाटी में भारत और चीन के बीच हिंसक झड़प में भारत के 20 सैनिक शहीद हो गए। भारत ने जहां सैनिकों की मौत का आंकड़ा जारी किया वहीं चीन ने कहा कि वह तनाव को भड़काना नहीं चाहता है, इसलिए हताहतों की संख्य्या को जारी नहीं करेगा। इस बीच चीन की इस चाल के बारे में अब एक बड़ा खुलासा हुआ है। बताया जा रहा है कि चीन ने अमेरिका के डर से अपने सैनिकों की संख्या को छिपाया। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक चीन और अमेरिका के बीच एक अहम बैठक होनी थी, इसको देखते हुए चीन ने पूरी घटना को कम करके दिखाने की कोशिश की। इसी रणनीति के तहत चीन ने अपने हताहत सैनिकों की संख्या को जारी नहीं किया और पूरे मामले पर चुप्पी साधे रहा। चीनी सेना के प्रवक्ता झांग शुइली ने कहा कि झड़प में दोनों ही पक्षों के लोग मारे गए हैं लेकिन उन्होंने अपने सैनिकों की संख्या नहीं बताई। इस बीच पीएलए के एक सोर्स ने बताया कि पेइचिंग अपने सैनिकों की मौत को लेकर बेहद संवेदनशील है।

चीन पर जॉन बोल्टन के खुलासे से अमेरिकी राजनीति में तूफान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन की किताब ने राष्ट्रपति चुनाव से ठीक पहले अमेरिकी राजनीति में तूफान ला दिया है। बोल्टन ने अपनी किताब में दावा किया है कि डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद के चुनाव में दोबारा जीतने के लिए जी–20 शिखर सम्मेलन के दौरान चीनी राष्ट्रपति से मदद मांगी थी। बोल्टन के इस दावे के बाद अब ट्रंप भड़क गए हैं और पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार को अक्षम करार दिया है।
कोरोना वायरस और साउथ चाइना सी को लेकर चीन के खिलाफ मोर्चा खोले डोनाल्ड ट्रंप ने बोल्टन की किताब को झूठ और फेक स्टोरी का पुलिंदा करार दिया है।

चीन ने दी धमकी, हमको कम नहीं आंके भारत

चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि भारत ने आम सहमति को तोड़ा

कोरा झूठ

■भारत अपनी बात पर कायम नहीं रहा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। लद्दाख की गलवान घाटी में 20 भारतीय सैनिकों की निर्मम हत्य्या के बाद चीन अब भारत को सीधे–सीधे धमकाने पर आ गया है। चीन की विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत के सैनिकों ने आम सहमति को तोड़ा। उन्होंने कहा कि भारत वर्तमान स्थिति को गलत न समझे या अपनी क्षेत्रीय संप्रभुता को सुरक्षित रखने की दृढ़ इच्छाशक्ति को कम न आंके।

हुआ चुनयिंग ने कहा, भारत के अग्रिम पंक्ति के सैनिकों ने आम सहमति को तोड़ा और वास्त्विक नियंत्रण रेखा को पार किया। जानबूझकर चीनी सैनिकों और अधिकारियों को उकसाया और उन पर हमला किया। इससे भीषण शारीरिक मुठभेड़ हुई और इसकी वजह से सैनिक मारे गए। भारत वर्तमान स्थिति को गलत न समझे या अपनी क्षेत्रीय संप्रभुता को सुरक्षित रखने की दृढ़ इच्छाशक्ति को कम न आंके।

दोनों ही देश कूटनीतिक और सैन्य चैनलों से संपर्क में: इससे पहले चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ध्ता झाओ लिजिन ने बुधवार को कहा था कि हिंसा की यह घटना चीन के एलओसी वाले क्षेत्र में हुई है, इसलिए हमारी जिम्मेदारी नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों ही देश कूटनीतिक और सैन्य चैनलों से संपर्क में हैं। लिजिन ने कहा, यह बहुत स्पष्ट है कि चूंकि (हिंसा की घटना) चीनी वास्तविक नियंत्रण रेखा वाले इलाके में हुई है, इसलिए इसकी जिम्मेदारी चीन की नहीं बनती है। चीन और भारत दोनों ही कूटनीतिक और राजनयिक स्तर पर प्रासंगिक विषयों को सुलझाने के लिए निकट संपर्क में हैं। इससे पहले भी मंगलवार को भी चीनी विदेश मंत्रालय ने भारत को ही इस हिंसक घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया था।

सीमा विवाद पर चीन की प्रवक्ता ने भारत को दी धमकी।

चीनी मीडिया ने दी पाकिस्तान, नेपाल की धमकी

चीन ने दावा किया कि गलवान वैली इलाका हमेशा से ही उसका रहा है लेकिन वह और ज्यादा हिंसा नहीं चाहता है। चीनी प्रवक्ता ने चीन के 43 सैनिकों के हताहत होने की खबर पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, सीमा पर सैनिक इन मामलों को देख रहे हैं। मुझे अभी इस बारे में कुछ नहीं कहना है। सीमा पर स्थिति स्थिर और नियंत्रण योग्य है। पीएलए ने गलवान वैली को अपना बताते हुए कहा, गलवान वैली पर हमेशा से ही चीन का कब्जा रहा है। पीएलए ने आरोप लगाया कि भारतीय सैनिकों ने 'जानबूझकर उकसाने वाले हमले किए' जिस कारण 'गंभीर संघर्ष हुआ और सैनिक हताहत हुए।'

दोनों ही पक्षों के बीच गंभीर शारीरिक संघर्ष हुआ: लिजिन ने मंगलवार को कहा था, भारतीय सैनिकों की कार्रवाई की वजह से दोनों ही पक्षों के बीच गंभीर शारीरिक संघर्ष हुआ। चीन ने भारतीय पक्ष से इस पर आपत्ति जताई है। हमने भारत से अनुरोध किया है कि वह अपने सैनिकों पर सीमा को पार करने पर कड़ाई से नियंत्रण रखे या एकतरफा कार्रवाई करने से बचे जो सीमा की स्थिति को और ज्यादा जटिल बना सकता है।

नेपाली संसद ने विवादित नक्शे को दी मंजूरी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काठमांडू। भारत की आपत्ति को दरकिनार करते हुए नेपाल की संसद के उच्च सदन नैशनल असेंबली ने देश के विवादित राजनीतिक नक्शे को लेकर गुरुवार को पेश किए गए संविधान संशोधन विधेयक को अपनी मंजूरी दे दी। इस दौरान नैशनल असेंबली में सत्ताधारी नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के संसदीय दल के नेता दीनानाथ शर्मा ने कहा कि भारत ने लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा पर अवैध रूप से कब्जा किया है और उसे नेपाली जमीन को लौटा देना चाहिए।

नेपाल के नए नक्शे के समर्थन में नैशनल असेंबली में 57 वोट पड़े और विरोध में किसी ने वोट नहीं डाला। इस तरह से यह विधेयक सर्वसम्मति से नैशनल असेंबली से पारित हो गया। नैशनल असेंबली में वोटिंग के दौरान संसद में विपक्षी नेपाली कांग्रेस और जनता समाजवादी पार्टी– नेपाल ने संविधान की तीसरी अनुसूची में संशोधन से संबंधित सरकार के विधेयक का समर्थन किया।

भारत के साथ सीमा गतिरोध के बीच इस नए नक्शे में लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा को नेपाल ने अपने क्षेत्र में दिखाया है। इस नए नक्शे में नेपाल ने लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा के कुल 395 वर्ग किलोमीटर के भारतीय इलाके को अपना बताया है।

भारत–चीन तनाव के बीच रूस की पहल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मॉस्को। भारत–चीन संघर्ष के बीच रूस की पहल पर 23 जून को भारत और चीन के विदेश मंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत करेंगे। रूसी विदेश मंत्रालय ने बताया कि आरआईसी चेयरमैनशिप के अंतर्गत होने वाली इस चर्चा में ग्लोबल पॉलिटिक्स, इकोनॉमी और कोरोना महामारी से जुड़े मामलों पर बातचीत होगी। बता दें कि सोमवार को लद्दाख में हुई झड़प के बाद से भारत और चीन मे तनाव चरम पर है। ऐसे में दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच बातचीत को लेकर कई संभावना जताई जा रही है। रूस ने कहा कि वह पूर्वी लद्दाख में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई झड़प से चिंतित है लेकिन उसका मानना है कि उसके दोनों करीबी सहयोगी खुद ही टकराव की स्थिति को सुलझा सकते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर से बढ़ेगी चीन की मुश्किल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

चीन को दंडित करने वाले विधेयक पर ट्रंप ने किए हस्ताक्षर

वॉशिंगटन। दक्षिण चीन सागर और ताइवान को लेकर चल रही तनातनी के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक ऐसे बिल पर हस्ताक्षर किए हैं जिससे चीनी ड्रैगन की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन को उइगर और अन्य जातीय अल्पसंख्यकों के खिलाफ चलाए उसके अभियान के लिए दंडित करने के लिए एक विधेयक पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस अमेरिकी विधेयक में पश्चिमी शिनजियांग क्षेत्र में उइगरों और अन्य जातीय समूह के लोगों की बड़े पैमाने पर निगरानी और उन्हें हिरासत में लेने वाले चीन के अधिकारियों पर प्रतिबंध की बात भी शामिल हैं। चीन में एक लाख से अधिक लोगों को बदतर हालात में शिविरों में हिरासत में रखने के खिलाफ और उसे दंडित करने के लिए किसी भी देश द्वारा उठाया गया यह एक बड़ा कदम है।

अमेरिका के इस कदम के बाद चीन के साथ पहले से खराब चल रहे उसके संबंधों के और तनावपूर्ण होने की आशंका है। कांग्रेस ने विधेयक पारित कर दिया और बुधवार को ट्रंप ने भी इस पर हस्ताक्षर कर दिए। ट्रंप ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि 2020 उइगर मानवाधिकार नीति अधिनियम मानवाधिकारों के उल्लंघन के अपराधियों को जवाबदेह ठहराएगा।

उइगरों के अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे वकील नुरी टर्केल ने सोशल मीडिया पर राष्ट्रपति का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, 'यह अमेरिका और उइगर लोगों के लिए एक महान दिन है।'

चीन का मानना है कि उइगर मुस्लिम चीन के लिए खतरा हैं। चीन ने इनपर दाढ़ी बढ़ाने और नकाब पहनने के कारण भी ऐक्शन लिया है और उन्हें अज्ञात जगह पर हिरासत में भेज दिया गया है। हालिया जानकारी में उइगर मुसलमानों को ऐसे कारणों से भी हिरासत में लिया गया है जो उनके रोजमर्रा का काम है। खास बात ये है कि चीन इस मसले पर टिप्पणी तक से बचता रहा है।

एक्सीडेंट में बाल–बाल बचे ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन एक सड़क दुर्घटना में बाल–बाल बच गए। बोरिस जॉनसन की कार बुधवार को लंदन में संसद के बाहर उस समय एक दुर्घटना का शिकार हो गई जब एक प्रदर्शनकारी उनके काफिले की ओर अचानक दौड़ पड़ा। इस दौरान काफिले की कई कारें एक दूसरे में भिड़ गईं। प्रधानमंत्री ऑफिस डाउनिंग स्ट्रीट ने कहा कि घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है।
यह घटना पीएम बोरिस जॉनसन के साप्ताहिक प्रधानमंत्री के सवाल (पीएमक्यू) सत्र कार्यक्रम के पश्चात हाउस ऑफ कॉमन्स से निकलने के तुरंत बाद हुई। घटना की तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी प्रसारित हुई हैं। प्रधानमंत्री के काफिले में शामिल सुरक्षा वाहनों में से एक ने उनकी सिल्वर जगुआर कार को पीछे से टक्कर मार दी, जब उनके चालक ने काफिले की ओर आ रहे प्रदर्शनकारी को देख कर ब्रेक लगाया। टक्कर के कारण गाड़ी पर खरोंच आ गई।